यूपी की GDP में ₹3.50 लाख करोड़ जोड़ेगा महाकुंभ : योगी

सीएम ने युवा उद्यमियों से किया संवाद, कहा-विरोध करने वालों से हमारी इकॉनमिक्स बेहतर

■ NBT रिपोर्ट, लखनऊ

सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि स्नानार्थियों की संख्या 60 करोड़ तक पहुंचती है तो अनुमान है कि यूपी की जीडीपी में 3.15 से 3.50 लाख करोड रुपये की अतिरिक्त बढ़ोतरी होगी। महाकुंभ का विरोध करने वालों से हमारी इकॉनमिक्स बेहतर है। अगर केंद्र-राज्य की तरफ से मिलकर 7500 करोड़ रुपये खर्च करके अर्थव्यवस्था में तीन से साढ़े तीन लाख करोड़ की अतिरिक्त वृद्धि हो सकती है तो कौन सा सौदा सही है? अपनी संस्कृति और परंपराओं को सम्मान देकर किस तरह देश की एकता और आर्थिकी को प्रोत्साहित किया जा सकता है, यह महाकुंभ के अवसर पर सहज ही अनुभव किया जा सकता है।

योगी सोमवार को अपने सरकारी आवास पर महाराष्ट्र से आए युवा उद्यमियों से संवाद कर रहे थे। युवा भारत संस्था के तत्वावधान में मुंबई के औद्योगिक घरानों से जुड़े उद्यमी संवाद में शामिल हुए। सीएम ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में अयोध्या, काशी और प्रयागराज में जिस तरह श्रद्धालु आ रहे हैं, उसने भारतीय संस्कृति को नई पहचान तो दी ही है, अर्थव्यवस्था को भी बड़ा बूस्ट दिया है। इसने भारत के पोटेंशल को दर्शाया है। अयोध्या में सड़क चौड़ीकरण, इंटरनैशनल एयरपोर्ट निर्माण, काशी विश्वनाथ धाम के दौरान कुछ लोग विरोध कर रहे थे, लेकिन जब सरकार ने दृढ़ इच्छाशक्ति से निर्णय लिया तो रिजल्ट सामने है। एक वर्ष में रामजन्मभूमि मंदिर में 700 करोड़ का चढ़ावा आया। इन लोगों को अब यह भी बुरा लगेगा।

आस्था का अंकगणित

53 करोड़ लोग अब तक लगा चुके हैं महाकुंभ में आस्था की डुबकी

12 करोड़ श्रद्धालु ही आए थे 55 दिनों में वर्ष 2013 के कुंभ में

16 करोड़ लोग पिछले साल अयोध्या आए रामलला के दर्शन करने

700 से अधिक चार्टर प्रयाग एयरपोर्ट पर उतरे,40 रोज फ्लाइट के अलावा

5-6 लाख रोजाना ट्रेन से आ रहे प्रयागराज

700 करोड़ रुपये का चढ़ावा एक वर्ष में राममंदिर में आया

सीएम योगी ने युवा उद्यमियों को प्रदेश की सुदृढ़ होती अर्थव्यवस्था के बारे में बताया।

आस्था को ताकत न मानने के दुष्परिणाम हुए

योगी ने कहा कि प्रयाग, काशी, अयोध्या आकर श्रद्धालु भारत की आस्था को दुनिया के सामने भी दिखाकर अपनी ताकत का अहसास भी करा रहे हैं। हमने आस्था को मान लिया कि इसमें ताकत नहीं है, लिहाजा दुष्परिणाम भुगतना पड़ा। गुलामी कालखंड में यह बात मन में डाली गई कि भारतीय को कमतर करके आंकों, उसे महत्वहीन कर दो। लेकिन, मोदी जी ने पहली बार भारतवासियों को अहसास कराया कि देश से जुड़े जीवन मूल्यों, आस्था व प्रोडक्ट को महत्व देकर हम स्वयं की महत्ता को बढ़ा सकते हैं। दूसरों की उपलब्धियों की बजाय पूर्वजों की विरासत पर गौरव की अनुभूति करेंगे तो दुनिया को बहुत कुछ दे पाएंगे। आज प्रयागराज वही कर रहा है।

14 करोड़ लगाने वाले ने 21 दिन में मुनाफा कमा लिया

योगी ने महाकुंभ के आर्थिक पक्ष से जुड़ा एक किस्सा साझा करते हुए कहा कि आस्था को सम्मान देने के साथ इसका इकॉनमिक आस्पेक्ट भी अहम है। एक निवेशक प्रयागराज में निवेश करना चाहते थे। उन्होंने बताया कि आस्था के अनुरूप द्वादश ज्योर्तिलिंग की रिप्लिका बनाएंगे। इसके लिए नगर निगम ने 11 एकड़ लैंड भी उपलब्ध करवाई। जनवरी के पहले सप्ताह में मैंने उद्घाटन भी किया। उस संस्था ने 14 करोड़ रुपये लगाए। महज 21 दिन में मूलधन व इतना ही मुनाफा कमाया। फिर नगर निगम को भी प्रॉफिट दिया। यह स्प्रिचुअल टूरिजम में संभव है, जो प्रयागराज में एक जगह में ही संभव हुआ है।